आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के आठवें दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान का सम्बोधन

(दिनांक 21.12.2022, समय–11:00 बजे पूर्वाह्न, स्थान–बापू सभागर, पटना)

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के आठवें दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर मुझे अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। प्राचीन काल से ही शिक्षा का प्रमुख केन्द्र रहे बिहार की पावन धरती को मैं नमन करता हूँ, जहाँ के नालन्दा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु विश्व भर से विद्यार्थी आते थे। यह राज्य अनेक महापुरूषों की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि रहा है। बिहार के सपूत एवं महान गणितज्ञ, खगोलशास्त्री व ज्योतिषविद् आर्यभट्ट के नाम पर इस विश्वविद्यालय का नामकरण हुआ है।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय नवीनतम विषयों से संबंधित शोध कार्य को लगातार आगे बढ़ा रहा है। मुझे बताया गया कि नैनो टेक्नोलॉजी से संबंधित यहाँ के रिसर्च पेपर का प्रस्तुतीकरण 20 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में किया गया है तथा विभिन्न इन्टरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। चीन, मलेशिया, ब्राजील तथा अन्य देशों के शिक्षाविदों एवं वैज्ञानिकों के द्वारा नैनोसाइंस के प्रकाशित रिसर्च पेपर को देखा गया है। इससे इस विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्य को वैश्विक पहचान मिली है। यू०एस०ए० स्थित इन्टरनेशनल सेन्टर फॉर डिफरेक्सन डाटा द्वारा इस विश्वविद्यालय के रिसर्च के आधार पर तीन नए चुम्बकीय नैनो पदार्थ की क्रिस्टल संरचना की खोज को प्रकाशित किया गया है। विश्वविद्यालय में नवीनतम विषयों से संबंधित एक सिमुलेशन रिसर्च प्रयोगशाला की स्थापना भी की गई है।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में नवगठित भौगोलिक अध्ययन केन्द्र उत्कृष्ट शोध केन्द्र के रूप में कार्यरत है तथा यहाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला के आयोजन भी किये जा रहे हैं। आगामी सत्र से नवीन तकनीक पर आधारित भू–सूचना प्रणाली एवं रिमोट सेंसिंग पाठ्यक्रम को प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। यह राज्य में नियोजन के दृष्टिकोण से सहायक सिद्ध होगा। नवसृजित स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन तथा पाटलिपुत्र स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स भी सुचारू रूप से कार्यरत हैं।

विश्वस्तरीय शोध स्तर को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार के ''साथी'' जैसे रिसर्च प्रोग्राम के अंतर्गत आई०आई०टी० पटना, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया, महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, मोतिहारी एवं पटना विश्वविद्यालय के साथ आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय भी हाल ही में क्लस्टर ग्रुप में शामिल हुआ है।

मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय राज्य की उच्चतर शिक्षा में नए आयाम जोड़ेगा तथा इसे राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने में अवश्य सफल होगा।

आज के दीक्षांत समारोह में विगत वर्षों में विभिन्न संकायों एवं पाठ्यक्रमों में उपाधि–पत्र एवं पदक प्राप्त करनेवाले सभी छात्र–छात्राओं को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। आप सब मेधावी और उच्च शिक्षा प्राप्त युवा हैं तथा देश और समाज को आपसे काफी उम्मीदें हैं। मुझे विश्वास है कि आप अपने आचरण, व्यवहार और क्रियाकलापों से अपने पदक के मर्यादा की रक्षा करेंगे।

उच्च शिक्षा के संबंध में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की एक उक्ति को मैं आपसे साझा करना चाहूँगा। उन्होंने कहा था– ''मैं उच्च शिक्षा उसी को कहूँगा जिसे पाकर मनुष्य विनम्र, परोपकारी, सेवाभाव से युक्त और कर्म में तत्पर हो जाए। जिस विद्या से आर्थिक, सामाजिक और आध्यात्मिक कष्टों से मुक्ति मिलती है, वही वास्तविक विद्या है।'' मेरी आपसे अपेक्षा है कि बापू के इन वाक्यों को आत्मसात करते हुए आप इसे व्यवहार में लाने का ईमानदार प्रयत्न करेंगे।

मेरी कामना है कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय शिक्षा का महत्त्वपूर्ण केन्द्र बने तथा यहाँ के विद्यार्थीगण तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च मुकाम हासिल कर राष्ट्र के विकास एवं मानवता के कल्याण में अपना सर्वोत्तम योगदान दें।

बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय हिन्द।

***